COURSE INTRODUCTION

Programme outcomes (POs):	
PO1	साहित्य मानव संवेदना की अभिव्यक्ति का प्रमुख स्त्रोत रहा है। कलाओं में यह सम्पूर्ण कला है। साहित्य समाज का दर्पण है। स्नातक उपाधि में इस विषय के चयन एवं अध्ययन से विद्यार्थी को साहित्य के सागोपांग महत्व का ज्ञान होगा।
PO2	सहज एवं स्वाभाविक रूप से भाषा–कौशल प्राप्त कर उनमें प्रभावशाली अभिव्यक्ति की क्षमता उत्पन्न होगी।
PO3	आत्मविश्वास से युक्त एवं नेतृत्व क्षमता के धारक होंगे।
PO4	मूल्यपरक व्यक्तित्व से युक्त होकर भारतीयता के बोध के साथ वैश्विक नागरिक के रूप में भावी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे।
PO5	विद्यार्थी संघ लोक सेवा आयोग एवं प्रादेशिक लोक सेवा आयोगों के परीक्षा पाठ्यक्रम में सम्मिलित संस्कृत साहित्य की आधार एवं अनिवार्य शिक्षा प्राप्त करेगें।
PO6	विद्यार्थियों को लेखन, वाचन एवं अध्ययन की दृष्टि से भाषागत दक्षता प्राप्त होगी।

Programme specific outcomes (PSOs):
UG I Year / Certificate cours Arts with Sanskrit

1. सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा के रूप में संस्कृत भाषा के प्राचीन महत्व एवं उसकी वर्तमान प्रासंगिकता को जानने–समझने योग्य होंगे।
2. संस्कृत साहित्य के विभिन्न विषयों यथा काव्य, नाटक, चम्पू, दर्शन, धर्मशास्त्र, नीतिशास्त्र, ज्योतिष, वास्तुशास्त्र, कर्मकाण्ड, व्याकरण इत्यादि से सुपरिचित होकर संस्कृत मर्मज्ञ बन सकेंगे।
3. संस्कृत व्याकरण के विभिन्न अंगों के ज्ञान द्वारा भाषा के शुद्ध अध्ययन, लेखन एवं उच्चारण के माध्यम से अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा।

Programme specific outcomes (PSOs):
UG II Year/ Diploma in Arts with Sanskrit

1. आयुर्वेद, वास्तुशास्त्र, ज्योतिष, नित्यनैमित्तिक कर्मकांड इत्यादि के माध्यम से जीविकोपार्जन के योग्य बनेंगे।
2. वैदिक एवं लौकिक संस्कृत साहित्य की समृद्धता एवं तन्निहित नैतिकता एवं आध्यात्मिकता को अनुभूत कर भारतीय संस्कृति के महत्व को वैश्विक स्तर तक पहुंचाने में सक्षम होंगे।
3. धर्म–दर्शन, आचार–व्यवहार, नीति शास्त्र एवं भारतीय संस्कृति के मूल तत्वों को जानकर उत्तम चरित्रवान् मानव एवं कुशल नागरिक बनेंगे।
4. समसामयिक समस्याओं के समाधान के रूप में संस्कृत साहित्य में निबद्ध सर्वांगीणता के प्रति शोधपरक दृष्टि का विकास होगा।

Programme specific outcomes (PSOs): ***UG III Year / Bachelor of Arts with Sanskrit***	
PSO1	विद्यार्थी स्नातक उपाधि वर्ष पाठ्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य विषय के रूप मे काव्यशास्त्र, दर्शन साहित्य का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेगें।
PSO2	पाठ्यक्रम के अन्तर्गत व्याकरण एवं उपनिषद् का सामान्य परिचय प्राप्त करेगें।
PSO3	स्नातक उपाधि के पाठ्यक्रम में विद्यार्थी पुराण एवं स्तोत्रकाव्य का ज्ञान प्राप्त करेंगें।
PSO4	विद्यार्थी पाठ्यक्रम के अन्तर्गत वेद एवं वैदिक साहित्य से परिचित होगें।
PSO5	पाठ्यक्रम के अन्तर्गत स्मृति साहित्य का अध्ययन कर उसके महत्व से परिचित होगें।
PSO6	कौटिलीय अर्थशास्त्र के अध्ययन से विद्यार्थी परिचित होगें।